

## भाजपा कर रही कुशासन, उम्मीद है 2026 में सुशासन देगी सरकार : खरगे

**नई दिल्ली।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए भाजपा पर 2025 में कई मोर्चों पर नाकाम रहने और 'कुशासन' का आरोप लगाया। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर उन्होंने सरकार से अगले वर्ष सुशासन की कामना की। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने कहा कि मैं प्रार्थना करता हूं कि यह वर्ष अच्छा बीते और सभी खुश रहें। मुझे उम्मीद है कि नया साल सभी के लिए समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य लेकर आए और सरकारें अगले वर्ष सुशासन प्रदान करें।

इससे पहले आज एक पोस्ट में, राज्यसभा के विपक्ष ने भाजपा पर हमला करते हुए

एमजीएनआरआईजीए वेब प्रतिस्थापन, गिरते रुपये और मुद्रास्फीति सहित 14 विवादित मुद्दों का हवाला दिया। एमजीएनआरआईजीए और मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का हवाला देते हुए, जिन दो मुद्दों पर कांग्रेस ने 2025 के चुनाव में एकजुटता दिखाई थी, उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार नागरिकों के काम करने के अधिकार और वोट देने के अधिकार को छीन रही है।



कांग्रेस नेता ने X पर लिखा कि साल के आखिरी दिन, यह याद दिलाना जरूरी है कि भाजपा शासन के 11वें वर्ष, 2025 में देश का संचालन कैसे हुआ-एमजीएनआरआईजीए को खत्म करके लाखों गरीबों से 'काम का अधिकार' छीन लिया गया। बिना किसी तैयारी के, बिना बीएलओ प्रशिक्षण के, एसआईआर के जरिए लाखों लोगों से 'मतदान का अधिकार' छीन लिया गया और भाजपा की वोट चोरी रंगे हाथों पकड़ी गई। यह ऐसे समय में

आया है जब संसद ने यूपीए सरकार द्वारा लाए गए एमजीएनआरआईजीए के स्थान पर विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 पारित किया है।

हालांकि यह कानून एमजीएनआरआईजीए में 100 दिनों की तुलना में रोजगार गारंटी को बढ़ाकर 125 दिन कर देता है, विपक्ष ने महात्मा गांधी का नाम हटाने और केंद्र और राज्यों के बीच 60:40 के निधि बंटवारे के अनुपात को लेकर इसकी आलोचना की है। आर्थिक मोर्चे पर, खरगे ने गिरते रुपये पर प्रकाश डाला, क्योंकि भारतीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91 के अंक पर पहुंचकर अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई।

### राष्ट्रपति मुर्मू ने नववर्ष 2026 पर दी शुभकामनाएं, 'मजबूत भारत' के निर्माण का आह्वान

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि उन्होंने नव वर्ष 2026 की पूर्व संध्या पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि नव वर्ष के शुभ अवसर पर मैं देश और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। नव वर्ष नई ऊर्जा और



सावधारात्मक बदलाव का प्रतीक है। यह आत्मचिंतन और नए संकल्पों का भी अवसर है। इस अवसर पर आइए हम राष्ट्र

वेब विकास, सामाजिक सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करें। उन्होंने आगे कहा, वर्ष 2026 हमारे जीवन में शांति, सुख और समृद्धि लाए और एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए नई ऊर्जा प्रदान करे। इससे पहले, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी नव वर्ष की पूर्व संध्या पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नया साल महज कैलेंडर में बदलाव नहीं है; यह नए संकल्पों को मजबूत करने का अवसर है। यह नए रास्ते तलाशने, सकारात्मक बदलाव को अपनाने और बेहतर इंसान बनने के लिए निरंतर प्रयास करने का समय है। अपने संदेश में बिरला ने कहा, 'नए साल 2026 के आगमन पर मैं सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आशा है कि आने वाला वर्ष सभी के जीवन में नए सपने, नया उत्साह, नई संभावनाएं और भरपूर खुशियां लेकर आए। उन्होंने कहा कि आइए इस अवसर पर एकजुट होकर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। आने वाले वर्ष में व्यक्तिगत प्रगति के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण के कार्य में भी सार्थक योगदान दें।

## हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का मज़ाक बना दिया : कांग्रेस

**नई दिल्ली।** कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी द्वारा भारत-पाकिस्तान गतिरोध में मध्यस्थता करने के दावे के बाद केंद्र पर तीखा हमला करते हुए इसे नई दिल्ली की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ 'मजाक' बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बार-बार यह दावा करने के बाद कि वाशिंगटन ने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोका, चीन ने भी ऑपरेशन सिंदूर के बाद चार दिनों तक चले संघर्ष के दौरान तनाव कम करने में अपनी भूमिका का दावा किया। जयराम रमेश ने एक पोस्ट में चीन के दावे पर चिंता व्यक्त की, क्योंकि बीजिंग के पाकिस्तान के साथ घनिष्ठ रक्षा संबंध हैं और वह इस्लामाबाद को हथियार आपूर्ति करता है।

कांग्रेस नेता ने लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप लंबे समय से दावा करते रहे हैं कि उन्होंने 10 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया था। उन्होंने कम

से कम सात अलग-अलग देशों में विभिन्न मंचों पर 65 बार ऐसा किया है। प्रधानमंत्री ने अपने तथाकथित करीबी दोस्त द्वारा किए गए इन दावों



पर कभी चुप्पी नहीं तोड़ी है। अब चीनी विदेश मंत्री ने भी ऐसा ही दावा किया है और कहा है कि चीन ने मध्यस्थता भी की थी। 4 जुलाई, 2025 को सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह

### चीन की मध्यस्थता पर तत्काल खंडन क्यों नहीं? - ओवैसी

**नई दिल्ली।** एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र से भारत-पाकिस्तान गतिरोध में बीजिंग की मध्यस्थता के दावे का खंडन करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश के साथ संबंधों में सामान्यता संभ्रुता की कीमत पर नहीं हो सकती। अमेरिकी राष्ट्रपति



डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बार-बार यह दावा करने के बाद कि वाशिंगटन ने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोका, चीन ने भी मई 2025 में चार दिनों तक चले संघर्ष के दौरान तनाव कम करने में अपनी भूमिका का दावा किया। कई पोस्टों में ओवैसी ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह नागरिकों को आश्वस्त करे कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच किसी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप नहीं हुआ। एआईएमआईएम प्रमुख ने एक्स पर लिखा अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा हमारे सामने युद्धविराम की घोषणा करने और शांति स्थापित करने के लिए व्यापार प्रतिबंधों का इस्तेमाल

करने का दावा करने के बाद, अब चीनी विदेश मंत्री भी आधिकारिक तौर पर इसी तरह के दावे कर रहे हैं। यह भारत का अपमान है और सरकार को इसका कड़ा खंडन करना चाहिए। चीन के साथ संबंधों में सामान्यता भारत के सम्मान या उसकी संभ्रुता की कीमत पर नहीं हो सकती। उन्होंने आगे कहा चीनी विदेश मंत्री का यह दावा चौंकाने वाला है कि बीजिंग ने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की। भारत सरकार को इस दावे का आधिकारिक तौर पर खंडन करना चाहिए और देश को आश्वस्त करना चाहिए कि किसी भी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं है। ओवैसी ने इसे दक्षिण एशिया में अपनी श्रेष्ठता का दावा करते हुए भारत और पाकिस्तान को एक ही पायदान पर रखने का बीजिंग का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि चीन भारत और पाकिस्तान को एक ही स्तर पर रखना चाहता है और दक्षिण एशिया में खुद को श्रेष्ठ साबित करने की कोशिश कर रहा है।

ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत वास्तव में चीन का सामना कर रहा था और उससे लड़ रहा था। यह देखते हुए कि चीन स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के साथ था, भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के चीनी दावे चिंताजनक हैं - न केवल इसलिए कि वे सीधे तौर पर हमारे देश के लोगों को जो विश्वास दिलाया गया है, उसके विपरीत हैं, बल्कि इसलिए भी कि वे हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का मजाक उड़ाते प्रतीत होते हैं,' उन्होंने आगे कहा।

इसके अलावा, रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने चीन की शर्तों पर उससे बातचीत की है। उन्होंने चीनी विदेश मंत्री के बयान पर केंद्र से स्पष्टीकरण की भी मांग की। इस दावे को चीन के साथ हमारे संबंधों के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए। हमने उनके साथ पुनः संपर्क स्थापित करना शुरू कर दिया है - लेकिन दुर्भाग्य से, यह चीनी शर्तों पर ही हुआ है। 19 जून, 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा चीन को क्लीन चिट देने से भारत की वार्तात्मक स्थिति काफी कमजोर हो गई है। हमारा व्यापार घाटा रिकॉर्ड ऊंचाई पर है, और हमारे अधिकांश निर्यात चीन से आयात पर निर्भर हैं। अरुणाचल प्रदेश के संबंध में चीन की उकसाने वाली कार्रवाइयां लगातार जारी हैं। ऐसे एकतरफा और शत्रुतापूर्ण संबंधों के बीच, भारत की जनता को यह स्पष्टता चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर को अचानक रोकने में चीन की क्या भूमिका थी



**न्यू मेव टाइम्स परिवार की ओर से सभी पाठकों, शुभचिंतकों, ईष्ट मित्रों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं**

## विशेष



हर ज़र्रा चमकता है अनवार-ए-इलाही से  
हर साँस ये कहती है हम हैं तो खुदा भी है  
-अकबर इलाहाबादी का यह शेअर गम्भीर चिंतन  
के लिए आमादा करता है।

-शब्दों का विश्लेषण:

अनवार (Anwar): यह अरबी शब्द 'नूर' (Noor) का बहुवचन है, जिसका अर्थ है 'प्रकाश', 'रोशनी', या 'चमक'।  
इलाही (Ilahi): यह 'एला' (Elah) से बना है, जिसका अर्थ 'ईश्वर' (God) होता है।

संदर्भ और उपयोग:

**आध्यात्मिक अर्थ:** यह शब्द अक्सर शायरी और सूफीवाद में इस्तेमाल होता है, जो ईश्वर के दिव्य ज्ञान, प्रेम, या उपस्थिति के प्रकाश को व्यक्त करता है।

**उदाहरण:** अकबर इलाहाबादी की पंक्ति 'हर ज़र्रा चमकता है अनवार-ए-इलाही से' (हर कण ईश्वरीय प्रकाश से चमकता है) इस अर्थ को स्पष्ट करती है, जिसका मतलब है कि हर चीज़ में ईश्वर की झलक या रोशनी है।

संक्षेप में, अनवार-ए-इलाही ईश्वर की महानता, पवित्रता और दिव्य चमक का प्रतीक है जो संसार के हर कण में व्याप्त है।

अजीब विडम्बना है कि, विज्ञान इस आध्यात्मिक विचार को समर्थन नहीं करता है!

सफेद प्रकाश सभी रंगों के प्रकाश का मिश्रण होता है। दर्पण सभी रंगों के प्रकाश को एक ही आपतन कोण पर परावर्तित करता है। दूसरे शब्दों में, यदि प्रकाश बाईं ओर से 30 डिग्री के कोण पर आता है और दर्पण की सतह से टकराता है, तो सभी रंग दर्पण से 30 डिग्री के कोण पर दाईं ओर परावर्तित हो जाएंगे। इसी से दर्पण से प्रतिबिंब बनता है और दर्पण इस प्रकार कार्य करता है।

किसी वस्तु की चमक के पीछे क्या विज्ञान है?

डेविड कौसेन का उत्तर सही है और प्रश्न का शाब्दिक उत्तर देता है, लेकिन मुझे लगता है कि इसी तरह का प्रश्न पूछने वाले अधिकांश लोगों को यह बात समझ में नहीं आएगी। यहाँ एक सरल उत्तर दिया गया है। सफेद प्रकाश सभी रंगों के प्रकाश का मिश्रण होता है। दर्पण सभी रंगों के प्रकाश को एक ही आपतन कोण पर परावर्तित करता है। दूसरे शब्दों में, यदि प्रकाश बाईं ओर से 30 डिग्री के कोण पर आता है और दर्पण की सतह से टकराता है, तो सभी रंग दर्पण से 30 डिग्री के कोण पर दाईं ओर परावर्तित हो जाएंगे। इसी से दर्पण से प्रतिबिंब बनता है और दर्पण इस प्रकार कार्य करता है।

यदि प्रकाश किसी सूक्ष्म रूप से खुरदरी सतह वाली वस्तु पर पड़ता है, तो आने वाला प्रकाश

(1) लगभग अनियमित रूप से सभी दिशाओं में परावर्तित हो जाता है और

(2) प्रकाश की कुछ तरंगदैर्घ्य वस्तु द्वारा अवशोषित हो जाती हैं और कुछ अनियमित दिशाओं में परावर्तित हो जाती हैं। परावर्तित होने वाली तरंगदैर्घ्य ही वस्तु को उसका रंग देती हैं। इसलिए, यदि नीला प्रकाश वस्तु द्वारा अवशोषित हो जाता है और लाल प्रकाश वस्तु से परावर्तित हो जाता है, तो वस्तु लाल दिखाई देगी। यही वह रूप है जब सपाट लाल रंग का पेंट दिखाई देता है।

अब 'चमक' से तात्पर्य उस सतह की चमक से है जो आपतन कोण पर प्रकाश को वापस परावर्तित कर सकती है, जिससे परावर्तित छवि सतह से उभरती है। सूक्ष्म सतह जितनी चिकनी होगी, वह उतनी ही अधिक छवि को परावर्तित कर पाएगी। वस्तु के परिवेश (जिसमें प्रकाश स्रोत भी शामिल है) की परावर्तित छवि ही सतह को चमकीला बनाती है।

मान्यवर,

शब्बीर दूबे जी,

आज के संदर्भ में जब :

'हर ज़र्रा चमकता है अनवारे इलाही से' को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखते हैं तो स्वाभाविक रूप से एक अंतर्द्वंद्व पैदा होता है जो कल्पनाओं और यथार्थ के बीच एक मोटी लकीर खींचता है! यह लकीर इंसान को दिग्भ्रमित करने के लिए काफी है।



-मुमताज खान

# नाम परिवर्तन की सम्पूर्ण वैधानिक प्रक्रिया

नाम परिवर्तन (Change of Name) की सम्पूर्ण वैधानिक प्रक्रिया के संबंध में आधिकारिक मार्गदर्शन : भारत में नाम परिवर्तन एक विधिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से कोई भी नागरिक अपने वर्तमान नाम को बदलकर नया नाम विधिक रूप से प्रमाणित करा सकता है। यह प्रक्रिया भारतीय कानूनों, प्रशासनिक नियमों तथा सरकारी प्रकाशन विभाग द्वारा निर्धारित विधिक ढाँचे पर आधारित होती है। चूँकि यह प्रक्रिया आगे चलकर पासपोर्ट, वीज़ा, शिक्षा प्रमाण-पत्र, बैंक रिकॉर्ड, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड एवं अन्य सरकारी अभिलेखों से जुड़ जाती है, इसलिए इसे पूर्ण सावधानी और विधिक नियमों के पालन के साथ किया

निम्नलिखित मार्गदर्शन हाईकोर्ट एडवोकेट मुहम्मद शारिब खान साहब द्वारा जनता की सुविधा एवं विधिक जागरूकता हेतु जारी किया गया है।

नाम परिवर्तन प्रक्रिया शपथपत्र से प्रारंभ होती है। यह एक विधिक रूप से प्रमाणित घोषणा है जिसमें आवेदक निम्न विवरण दर्ज करता है: आवेदक का पुराना नाम, प्रस्तावित नया नाम, नाम बदलने का कारण, स्थायी व वर्तमान पता, जन्मतिथि, माता/पिता का नाम यह घोषणा कि नाम परिवर्तन किसी अवैध उद्देश्य से नहीं किया जा रहा

**हाई कोर्ट एडवोकेट मुहम्मद शारिब खान साहब की सलाह**

किसी भी प्रकार की त्रुटि या गलत विवरण भविष्य में पहचान दस्तावेज़ों में गंभीर समस्या उत्पन्न कर सकता है। इसलिए शपथपत्र को ध्यानपूर्वक तैयार करवाएँ और नोटरी सत्यापन अवश्य कराएँ। गजट नोटिफिकेशन का पूरा काम आप एडवोकेट के माध्यम से ही कराएँ, अन्यथा आपको डॉक्यूमेंट बनाने में कई परेशानियों व कठिनाइयों आ सकती हैं दो समाचार पत्रों में नाम परिवर्तन का प्रकाशन विधिक प्रक्रिया के अनुसार आवेदक को दो समाचार पत्रों में नाम परिवर्तन की सूचना प्रकाशित करनी होती है-एक स्थानीय/क्षेत्रीय भाषा का समाचार पत्र एवं एक अंग्रेज़ी भाषा का समाचार पत्र यह प्रकाशन आगे चलकर किसी भी सत्यापन या पूछताछ की स्थिति में महत्वपूर्ण साक्ष्य का कार्य करता है। समाचार पत्र की मूल क्लिपिंग संभालकर रखें, यह केंद्रीय राजपत्र में अनिवार्य रूप से जमा करनी होती है।

**राजपत्र (Gazette) में नाम प्रकाशित**

**कराना-विधिक पूर्णता**

**राज्य राजपत्र :** अपने राज्य में पहचान पत्रों में सुधार करवाने

## युवाओं के लिए सुनहरा अवसर, रीको में 39 सहायक स्थल अभियंताओं (सिविल) की भर्ती

**जयपुर।** नए वर्ष के अवसर पर राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेंट एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (रीको) ने प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोले हैं। रीको द्वारा सिविल कैडर में 39 सहायक स्थल अभियंता (Assistant Site Engineer) के पदों पर भर्ती की जा रही है।

ASE पद के लिए वे अभ्यर्थी पात्र होंगे जोकि मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 60 प्रतिशत अंक के साथ सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक होंगे एवं जिनके पास गेट (GATE) स्कोर है। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार 29 दिसंबर 2025 से 27 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

रीको राजस्थान सरकार का अग्रणी उपक्रम है जो राज्य में औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना एवं इनमें रखरखाव का कार्य करता है। वर्तमान में राज्य में रीको के 33 इकाई कार्यालयों के अंतर्गत 445 औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए हैं। इन इकाई कार्यालयों में कार्यरत सहायक स्थल अभियंता (सिविल) संबंधित औद्योगिक क्षेत्रों के विकास कार्यों यथा सड़क निर्माण, भवन निर्माण एवं अन्य सिविल कार्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, नियम एवं शर्तें, परीक्षा से संबंधित दिशा-निर्देश एवं अन्य सभी आवश्यक जानकारीयां रीको वेबसाइट [www.riico.rajasthan.gov.in](http://www.riico.rajasthan.gov.in) पर देख सकते हैं। राज्य के अग्रणी उपक्रम रीको के सिविल कैडर में अपना करियर बनाने के लिए युवाओं के लिए यह महत्वपूर्ण अवसर है।

## ओमान द्वारा भारत के 'हलाल सर्टिफिकेट' को मंजूरी!

सम्भावना है किओमान के बाद अब 55 इस्लामिक देश बड़ी आसानी से भारत के हलाल सर्टिफिकेट को मंजूरी दे देंगे।अब भारत का मीट एक्सपोर्ट 1 लाख करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद की जा सकती है।

इस वक्त शायद 40,000 करोड़ का है..

हलाल कानून के मुताबिक हर जानवर को जिन्ह के वक्त कलमा पढ़ना ज़रूरी है।।और भी कुछ नियम हैं, जिनका भारत पालन करेगा।

इसके अलावा दूसरे नॉन मीट प्रोडक्ट में भी हलाल लागू होगा..नॉन मीट का एक्सपोर्ट बढ़ेगा..। भारत के विकास को नए पंख लगाने के लिए मोदी जी का लाख लाख शुक्रिया।

हेतु राज्य राजपत्र पर्याप्त होता है। प्रक्रिया में राज्य प्रकाशन विभाग से संपर्क,निर्धारित फॉर्म, दस्तावेज़ सत्यापन, शुल्क जमा शामिल होता है।

**केंद्रीय राजपत्र (Central Gazette):** यदि आवेदक विदेश यात्रा, पासपोर्ट, वीज़ा, उच्च शिक्षा या अंतरराष्ट्रीय सत्यापन के लिए नाम परिवर्तन कर रहा है, तो केंद्रीय राजपत्र अनिवार्य है।

**केंद्रीय राजपत्र हेतु आवश्यक दस्तावेज़:** सत्यापित शपथपत्र, अंडरटेकिंग (यदि आवश्यक), दो समाचार पत्रों की मूल क्लिपिंग, पहचान पत्र (Self-attested), दो पासपोर्ट फोटो, दो गवाहों के हस्ताक्षर सहित प्रोफॉर्मा, प्रोफॉर्मा की CD (Soft Copy), हार्ड/सॉफ्ट कॉपी समानता प्रमाण पत्र, शुल्क सहित आवेदन एडवोकेट हाई कोर्ट एडवोकेट मुहम्मद शारिब खान साहब का

**विशेष निर्देश:** सभी स्पेलिंग हर दस्तावेज़ में समान होनी चाहिए।

असमान स्पेलिंग भविष्य में पासपोर्ट कार्यालय में आपत्ति (objection) का कारण बन सकती है।

**राजपत्र प्रकाशन की पुष्टि :** आप अपने एडवोकेट के माध्यम से उक्त जानकारी का पुष्टि कर सकते हैं कि नाम कब और किस डेट में आया है।

**हाई कोर्ट एडवोकेट मुहम्मद शारिब खान साहब द्वारा सावधानियाँ और कानूनी सुझाव:** सभी दस्तावेज़ों में नाम, पता और जन्मतिथि बिल्कुल समान हो। एवं स्पेलिंग संबंधी त्रुटि बिल्कुल न होने दें। एवं समाचार पत्र विज्ञापन और राजपत्र की इउइ आजीवन सुरक्षित रखें एवं यदि किसी आपराधिक मामले में संलिप्तता हो, तो पहले विधिक सलाह अवश्य लें। एवं एक बार राजपत्र में नाम प्रकाशित होने के बाद, सभी पहचान पत्रों में नाम बदलवाना आसान हो जाता है, परंतु आवेदन प्रक्रिया सावधानी से करें।

यह सम्पूर्ण मार्गदर्शन हाई कोर्ट एडवोकेट मुहम्मद शारिब खान साहब द्वारा जनहित में जारी किया गया है। नाम परिवर्तन प्रक्रिया, यदि सही रूप में पूरी की जाए, तो जीवनभर किसी भी सरकारी/कानूनी प्रक्रिया में कोई बाधा नहीं आती। आपको को क्या क्या दस्तावेज़ लगाना है वो आप अपने एडवोकेट से ही पूछें गूगल ज्ञान का प्रयोग ना रहें, हो सकता है आपको गूगल ज्ञान से असुविधा हो सकती है

**विधिक सूचना**

**मुहम्मद शारिब खान**

**हाईकोर्ट एडवोकेट 7869786317**

## जिहाद का असल मतलब समझना ज़रूरी है?

इस्लाम में 'जिहाद' का मतलब लड़ाई या हिंसा नहीं है,

बल्कि अपने नफ़्स, बुराई, अन्याय और जुल्म के खिलाफ़ खड़े होना है।

**सबसे बड़ा जिहाद है:** अपने गुस्से पर काबू पाना, बुरी आदतों से लड़ना, और अपने अंदर की कमज़ोरियों को हराना।

**दूसरी किस्म का जिहाद :** इंसानियत, न्याय और कमज़ोरों की हिफ़ाज़त के लिए खड़ा होना है।

मीडिया में फैलाए गए शब्द जैसे 'लव जिहाद', 'थूक जिहाद', 'ज़मीन जिहाद'- इनका इस्लाम की असल तालीमात से ज़रा भी ताल्लुक नहीं है।

ये सिर्फ़ एक पवित्र शब्द को गलत रंग देने की कोशिश है।

**असल जिहाद सिर्फ़ इतना है-**

-जहां जुल्म हो, वहां इंसाफ़ के लिए आवाज़ उठाना।

-जहां बुराई हो, वहां अच्छाई का साथ देना।

-जहां नफ़रत फैलाई जाए, वहां मोहब्बत और अमन की बात करना।

यही असली जिहाद है और यही इंसानियत की सच्ची मांग भी।

**संकलन-निज़ामुद्दीन चिश्ती**

# तालीम व तबलीग दोनों नबी का मिशन हैं : मुफ्ती जाहिद कासमी

**मुहम्मद मुबारक मेवाती**

**पलवल मेवात।** पिछले दिनों कुरआन पाक की खदिमत करने वाले हमेशा खुशहाल रहे हैं और हमेशा खुशहाल रहेंगे। मेवात की अज़ीम-उश-शान दीनी दरसगाह मदरसा मुईनुल इस्लाम उर्फ़ बड़ा मदरसा नूह में मकतबों की सालाना कार्यगति का सम्मेलन मुफ्ती मोहम्मद जाहिद हुसैन कासमी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जमीयत उलामा राजस्थान के अध्यक्ष व दारुल उलूम मोहम्मदिया मील खेड़ला के मोहम्मिम मौलाना राशिद कासमी थे जो किसी मजबूरी के कारण उपस्थित नहीं हो सके। कार्यक्रम में नाज़िम आला जमीयत उलामा मुत्तहिदा पंजाब मौलाना यहया करीमी, अमीर-ए-शरीअत मुत्तहिदा पंजाब मौलाना इलियास, जमीयत उलामा पलवल के सरपरस्त मौलाना अनवार मालपुरी, मौलाना जुबैर अहमद बावला, मौलाना अतहर कासिम, मौलाना लुकमान कासमी हसनपुर सहित अनेक उलामा मौजूद

**मकतबों की वार्षिक कार्यगति का सम्मेलन मदरसा मुईनुल इस्लाम में संपन्न**



रहे। सम्मेलन की शुरुआत मोहम्मद मुर्तज़ा कोट द्वारा कुरआन पाक की तिलावत से हुई, जबकि नातिया कलाम मोहम्मद आसिफ ने प्रस्तुत किया। मुफ्ती अहमद हुसैन कासमी ने सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आप छोटे-छोटे बच्चों को तैयार कर रहे हैं, यही बच्चे भविष्य के इमाम बनेंगे। आप आने वाली नस्लों की रहनुमाई के लिए अफ़राद तैयार कर रहे हैं। उन्होंने इमामों को संबोधित करते हुए कहा कि आप अकेले नहीं हैं, अल्लाह की मदद आपके साथ है। जब-जब मकतबों और मदरसों पर बुरी नज़र

डाली गई, तब-तब इन्हीं मदरसों के उलामा मैदान में उतरे। मुफ्ती इब्राहीम कासमी ने हालात-ए-हाज़िरा पर संगठित और प्रभावशाली भाषण दिया। उन्होंने कहा कि हालात से घबराने की ज़रूरत नहीं है, बल्कि अपने बुजुर्गों के साथ मजबूती से खड़े होकर मुकाबला करना चाहिए। उन्होंने मकतबों में सही उच्चारण, नमाज़ की पाबंदी और सादगी के साथ काम करने पर ज़ोर दिया।

मुफ्ती मोहम्मद आज़म कासमी उस्ताद, मदरसा मादिनुल उलूम झिमरावट ने मंसब-ए-इमामत पर विस्तृत भाषण दिया और कहा कि इमाम मुहल्ले की

सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी होता है। वहीं जमीयत उलामा मुत्तहिदा पंजाब के जनरल सेक्रेटरी मौलाना यहया करीमी ने मकतबों में काम करने वालों की हौसला-अफ़ज़ाई करते हुए कहा कि कुरआन पढ़ाने वाले कौम के सच्चे खादिम हैं। मौलाना अतहर कासिम ने कहा कि मकतबों में काम करने वाले इमामों को अपनी ज़ात पर भी मेहनत करनी होगी। मौलाना अनवार मालपुरी ने बच्चों की तरबियत और सुन्नतों पर अमल की तालीम दी है। मक़्तब इशाअतुल कुरआन खिल्लुका के नाज़िम मौलाना खलील अहमद ने सम्मेलन की व्यवस्था और फ़ायदों पर रोशनी डाली।

मौलाना मुश्ताक लडमाकी ने मेवात की समग्र कार्यगति प्रस्तुत की। अमीर-ए-शरीअत मुत्तहिदा पंजाब मौलाना इलियास ने कहा कि आज के नौजवान उलामा की मेहनत काबिले-तारीफ़ है। उन्होंने तालीम-ए-बालिग़ान पर विशेष ध्यान देने की ज़रूरत बताई।

अंत में अध्यक्षीय भाषण देते हुए शेर-ए-मेवात मुफ्ती मोहम्मद जाहिद हुसैन कासमी ने कहा कि तालीम और तबलीग नबी करीम का मिशन हैं। हम सब नबी के वारिस हैं, इसलिए डरने या घबराने की कोई ज़रूरत नहीं। उन्होंने कहा कि तबलीग कोई अलग काम नहीं, बल्कि दीन की बुनियाद है।

मुफ्ती साहब की दुआ के साथ सम्मेलन संपन्न हुआ। इस मौके पर हथीन, पुन्हाणा, तावडू, फ़िरोजपुर झिरका, पिनगवां, नूह, हसनपुर, धौज, सोहना, ज़ेवर टपल, शेरगढ़ मथुरा, सीकरी, कामां डीग, टपूकड़ा अलवर सहित अनेक क्षेत्रों से हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।



उज्जैन। जनाब हाजी इफ्तिखार एहमद साहब एवं हम्मूभाई ताजपुर वालों को मदीना मुनव्वर की जियारत (उमराह) के लिए तशरीफ ले जाते वक्त मेव पंचायत उज्जैन की जानिब से इस्तक़बाल किया गया।

## राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन : गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा पर हुआ गंभीर मंथन



**पुन्हाणा (नूह)।** पिछले दिनों Aspire Global School रहीड़ा-पुन्हाणा के उद्घाटन अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन आज भव्यता और गरिमा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से आए जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बुद्धिजीवियों ने भाग लिया और स्कूल शिक्षा से जुड़े वर्तमान मुद्दों, चुनौतियों तथा भविष्य की दिशा पर गंभीर, सार्थक और दूरदर्शी विचार-विमर्श किया।

सम्मेलन को भिवानी-महेंद्रगढ़ से सांसद श्री धर्मवीर सिंह ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और मूल्य-आधारित शिक्षा ही समाज को सही दिशा दे सकती है।

उन्होंने Aspire Global School जैसी पहलों की सराहना करते हुए क्षेत्र में शैक्षिक विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

सम्मेलन में प्रमुख रूप से इंजीनियर मम्मन खान (विधायक, फ़िरोजपुर झिरका), श्री जान मोहम्मद (जिला प्रमुख, नूह), चौधरी इसरायल खान (विधायक, हथीन), चौधरी हबीबुर्हमान (पूर्व विधायक, नूह), डॉ. मोहम्मद शफीक (HCS) सहित अनेक जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। इनके अलावा शिक्षाविदों, सामाजिक चिंतकों और स्थानीय गणमान्य नागरिकों की भी बड़ी संख्या में सहभागिता रही।

कार्यक्रम में डॉ. शीद, इरशाद खान (चेयरमैन), श्री एजाज़ खान काट, हाजी साहब खान सिंगार, शौकत घुड़चढ़ी, साजिद सरपंच मलाई, तैयब हुसैन घासेड़या, लेक्चर हुमायूं खान (बिसरू), सहूद मैनेजर (बादली), कर्नल

मंसूर, उमर पाइला (जिला पार्षद), दीन मोहम्मद मामलिका, प्रोफ़ेसर अल्लाफ़ खान, एडवोकेट तालीम नीमका, एडवोकेट ताहिर देवला, फखरुद्दीन चैयरमैन, अख़्तर चंदेनी, एडवोकेट शमीम बदरपुर, जफ़र इकबाल, डॉ. रियाज़ खान, डॉ. सदफ़ सलीम, सकुनत बेगम, अनीस खान, शब्बीर अहमद, इरफ़ान शेखपुर, इमरान मालव, जुबैर अलीग (झंडा), हाजी अख़्तर घाघस, सलीम अहमद, जुबैर अलालपुर, जावेद रहीड़ा, सोनू शर्मा, रमजान चौधरी सहित अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सम्मेलन के दौरान अलिफ़ फाल्कन इंटरनेशनल स्कूल, नूह के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें गीत, नाटक, भाषण और नज़्म शामिल रहे। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन फाल्कन स्कूल के प्रिंसिपल

श्री मुबाशिर द्वारा किया गया।

इस राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन की अध्यक्षता मौलाना याहया करीमी ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसे नैतिकता, गुणवत्ता और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ना आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ी का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके।

आयोजकों के अनुसार, यह सम्मेलन शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता, सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा। Aspire Global School भविष्य में क्षेत्र को आधुनिक, मूल्य-आधारित और भविष्यपरक शिक्षा प्रदान करने का एक सशक्त केंद्र बनेगा।

**Aspire Global School, पुन्हाणा**  
9813124386

# 1 जनवरी 2026 से महत्वपूर्ण नियम और बदलाव

1 जनवरी 2026 से महत्वपूर्ण नियम और बदलाव लागू होने हैं। हर भारतीय को इन्हें जानना बेहद जरूरी है। यहाँ हम कुछ मुख्य बदलावों पर डिस्कस करेंगे-

## 1 )- 8वां वेतन आयोग-

केंद्र और राज्य सरकारी कर्मचारियों की सैलरी संरचना में संशोधन होगा, जिसमें 25-30% तक की बढ़ोतरी संभव है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि फिटमेंट फैक्टर 2.10-2.89 तक हो सकता है, जिससे न्यूनतम वेतन 18,000 से बढ़कर 41,000 हो जाएगा।

2 )- **महंगाई भत्ता बढ़ोतरी** - सरकारी राज्य कर्मचारियों के महंगाई भत्तों में वृद्धि होगी, जो मुद्रास्फीति के कारण सैलरी में अतिरिक्त बढ़ोतरी प्रदान करेगी।

## 3 )- न्यूनतम मजदूरी की समीक्षा-

देश में पार्ट-टाइम और दैनिक मजदूरों के न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी की समीक्षा होगी। न्यूनतम दैनिक वेतन में बढ़ोतरी संभव है।

## 4 )- क्रेडिट स्कोर अपडेट-

क्रेडिट ब्यूरो अब क्रेडिट स्कोर को हर सप्ताह अपडेट करेंगे। आपको बता दें पहले यह 15 दिनों में होता था। जानकारों का मानना है इससे लोन चुकती का असर तेजी से दिखेगा।

5 )- **फिक्स्ड डिपॉजिट दरें** - फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में संशोधन होगा जिन्हें 7.1 से 7.8 तक किया जा सकता है। अलग अलग बैंकों में अलग अलग होगा।

6 )- **लोन ब्याज दरें** - SBI, PNB, HDFC सहित तमाम अन्य बैंकों ने लोन की ब्याज दरों में कटौती की है, जो ग्राहकों को राहत प्रदान करेंगे।

7 )- **PAN-आधार लिंकिंग अनिवार्य** - PAN कार्ड को आधार कार्ड से लिंक न करने पर 1 जनवरी से PAN निष्क्रिय हो जाएगा, जिससे आपकी बैंकिंग, टैक्स रिफंड और सरकारी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। आधार कार्ड को PAN कार्ड से लिंकिंग के लिए 1,000 शुल्क निर्धारित किया गया है।

8 ) - **SIM वेरिफिकेशन नियम** - WhatsApp, Telegram जैसे अन्य ऐप्स के लिए SIM वेरिफिकेशन नियम सख्त होंगे, जिसमें फ्रॉड रोकने के लिए 90 दिनों में सक्रिय एक्सेस चेक और वेब वर्जन के लिए हर 6 घंटे में लॉगआउट जरूरी होगा।

9 )- **UPI और डिजिटल पेमेंट नियम** - UPI ट्रांजैक्शन में सख्त चेक लागू होंगे, जिसमें PAN-आधार लिंकिंग और एक्सेस वेरिफिकेशन शामिल है। 2026 में UPI से सामान्य लेनदेन के लिए दिन में 1 लाख तक भेज सकते हैं, वहीं शिक्षा, स्वास्थ्य, IPO और बीमा जैसे खास कामों के लिए यह सीमा 5 लाख तक है। वेरिफाइड मर्चेन्ट्स को 10 लाख तक की अनुमति होगी।

10 )- **एलपीजी और कॉमर्शियल गैस कीमतें** - घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में संशोधन होगा, जिसमें शुरुआत में 30-40 की कमी संभव है।

11 )- **नया इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्म** - नया फॉर्म जारी होगा, जिसमें बैंक ट्रांजैक्शन और खर्चों की प्री-फिल्ड डिटेल्स होंगी, जिससे फाइलिंग आसान बूटि रहित बनेगी।

12 )- **पीएम-किसान योजना के लिए यूनिक किसान आईडी** - उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में किसानों को यूनिक आईडी जारी की जा रही है, जो योजना की किस्तें पाने के लिए अनिवार्य होगी।

13 )- **फसल बीमा में बदलाव** - पीएम फसल बीमा योजना में जंगली जानवरों से फसल नुकसान पर मुआवजा मिलेगा, अगर 72 घंटे में रिपोर्ट किया जाए तो।

14 )- **सोशल मीडिया कानून** - 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर आयु प्रतिबंध और पैरेंटल कंट्रोल लागू हो सकते हैं, जिसमें DPDP एक्ट के तहत पैरेंटल कंसेंट अनिवार्य किया जा सकता है।

15 )- **प्रदूषण नियंत्रण के लिए वाहन प्रतिबंध** - दिल्ली, नोएडा सहित पूरे NCR में डीजल-पेट्रोल कमर्शियल वाहनों पर प्रतिबंध बढ़ेगा, जिसमें डिलीवरी सेवाएं प्रभावित होकर और महंगी हो सकती हैं।

16 )- **डिजिटल राशन कार्ड** - यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश सहित कुछ राज्यों में राशन कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन अनिवार्य होगा, जिससे आधार-लिंकड ई-कार्ड जारी होंगे।

17 )- **नए टैक्स स्लैब** - नई कर व्यवस्था के तहत 4 लाख तक की आय कर-मुक्त होगी। 12 लाख तक की कुल आय पर 60,000 की छूट (rebate) के कारण प्रभावी टैक्स शून्य हो सकता है।

## 18 )- ATM उपयोग के नए शुल्क-

अब ग्राहकों को हर महीने 5 मुफ्त लेनदेन वित्तीय और गैर-वित्तीय दोनों की सीमा खत्म होने के बाद प्रत्येक लेनदेन के लिए 23 और लागू टैक्स देना होगा। पहले 21 रुपये लगते थे।

19 )- **एटीएम से पीएम निकासी** - मार्च 2026 से कर्मचारी अपने ईई फंड का 75% हिस्सा सीधे एटीएम और लड्डू के माध्यम से निकाल सकेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों में कागजी कार्यवाही को कम करना और ग्राहकों को उनके जमा पैसे तक तुरंत पहुंच प्रदान करना है।



कामां ( डीग ) पिछले दिनों भूत पूर्व विधायक जनाब शमसुल हसन ( सबलाना ) की भतीजी की शादी के मौके पर इलाके के जिम्मेदार लोगो के साथ, सीए मुख्तियार अहमद ने अपने साथियों के साथ शिरकत कर अपनी मुबारक बाद पेश की।

## शिवसेना पार्षद के पति की दिनदहाड़े बेरहमी से हुई हत्या, मंत्री ने लगाए एनसीपी पर गंभीर आरोप

**रायगढ़ :** महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में एकनाथ शिंदे की लीडरशिप वाली खोपोली म्युनिसिपल काउंसिल की शिवसेना पार्षद मानसी कालोखे के पति की बड़ी बेरहमी से हत्या कर दी गई। शुक्रवार, 26 दिसंबर को सुबह करीब 7 बजकर 30 मिनट पर हुई इस घटना से सनसनी फैल गई है। मरने वाले की पहचान मंगेश कालोखे के तौर पर हुई है।

### बेटे को स्कूल छोड़कर घर लौटते समय हुआ हमला

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मंगेश कालोखे पर अज्ञात हमलावरों ने हमला किया। जब मंगेश अपने बेटे को स्कूल छोड़कर घर लौट रहे थे उसी समय हमलावर एक काली गाड़ी में आए और उन पर धारदार हथियारों से हमला कर मौके से फरार हो गए। हमला इतना बेरहमी से किया गया कि मंगेश कालोखे की मौके पर ही मौत हो गई।

इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। लोगों में इस वक्त डर का माहौल है। घटना की जानकारी मिलने पर खोपोली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों का

पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना के पीछे का मकसद आपसी झगड़ा, राजनीतिक रंजिश या कोई और वजह थी।

### शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है

पार्षद मानसी कालोखे के परिवार के साथ अचानक हुई इस दुखद घटना पर पूरे खोपले शहर में तनाव का माहौल है। लोग आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। हालात को देखते हुए पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है। रायगढ़ के पुलिस अधीक्षक अंचल दलाल ने भी इस मामले पर कहा है कि शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। रायगढ़ के पुलिस अधीक्षक एसपी अंचल दलाल ने कहा कि, मामले में जो भी कमियां हैं, उन्हें दूर किया जा रहा है ताकि यह केस शुरू से ही मजबूत रहे।

### मंत्री गोगावाले ने NCP पर गंभीर आरोप लगाए

इस बीच, शिवसेना नेता और मंत्री भरत गोगावाले ने इस हत्या मामले को लेकर एक अलग

ही शक जताया है। मंत्री भरत गोगावाले ने गंभीर आरोप लगाते हुए हत्या के पीछे एनसीपी कार्यकर्ताओं का हाथ बताया है।

उन्होंने सनसनीखेज दावा किया कि यह हत्या इसलिए हुई क्योंकि खोपोली में हार से एनसीपी पर गहरा असर पड़ा है। यह हत्या 21 तारीख को चुनाव के नतीजे घोषित होने के तुरंत बाद हुई थी। शिवसेना नेता और मंत्री भरत गोगावाले ने कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और एनसीपी ने ही इस पूरी घटना को अंजाम दिया होगा। गोगावाले ने यह भी मांग की कि पुलिस इस मामले में आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करे।

## अकीका संपन्न हुआ

**इंदौर।** मेव बिरादरी के जनाब सोहराब मेव, रुकया मेव के, फरजंद अज़हान खान एवं दुखार आयात नूर ( पोता-पोती, मेहरून आपा) हाफिज ए कुरान होने पर उनके निवास पर अकीका का प्रोग्राम रखा गया, जिसमें हाफिज साहब का भी इसतकबाल किया जाकर खाने का इंतजाम किया गया।

## शादियां ही शादियां

**इंदौर।** मेव बिरादरी के जनाब हाजी याकूब खा के भतीजे अ. कययुम के फरजंद अ. रेहमान खान की शादी खलघाट के अकरम खा कि दुखार् अनम खान के साथ, और दुख तर अल्फिया खानम कि शादी देवास के अलिम खान के फरजंद फरदीन खान के साथ पिछले दिनों हुई।

**ग्वालियर।** मेव समाज के मरहूम मंगल खा (मास्टर) के पोते एवं अ. अजीज (पप्पु) के फरजंद आमिर खान की शादी मेहगाव के ईशाक खा की दुखतर रानू खान के साथ हुई।

**शिवपुरी।** मेव समाज के हाजी रहीम खान के फरजंद अंजान खा कि शादी दिलशाद खा की दुखतर हिना के साथ पिछले दिनों संपन्न हुई।

**जावरा।** मेव बिरादरी के जनाब सिकंदर खा (उमट पालिया) के फरजंद अदनान की शादी, निंवाहेदा के आबिद हूसेन मेव की दुखार् अलवीरा के साथ पिछले दिनों संपन्न हुई।

**धरमपुरी।** मेव समाज के आकिल जमीदार (पार्षद) जूना मोहल्ला के फरजंद सोहेल खा न कि शादी शरीफ मो. कि दुखार् शिरीन खान के साथ संपन्न हुई।

**बालसमद।** मेव बिरादरी के जनाब सादिक ठेकेदार के फरजंद, डॉ. अब्दुल राजिक (गोलिड) BHMS, की शादी, जनाब जाकिर खान कि बेटा सबा खान (डी.फार्मा) के साथ आगामी 6, जनवरी को होने जा रही है।

**कोटा।** मेव समाज के जनाब जाकिर हुसैन (भीमपुरा) वालों कि दुखार् अलीशा कि शादी अ. हमीद (राजपुरा) वालों के फरजंद परवेज खान के साथ, और आफरीन की बाँों के जनाब असलम हुसैन के फरजंद अकरम मेव के साथ आगामी 11, जनवरी को होने जा रही है।

**न्यू मेव टाइम परिवार सभी दूल्हा दुल्हन को अपनी और से मुबारक बाद देता है।**

# सरकार की तरफ से बड़ी चौंकाने वाली खबर

बिना बर्थ रजिस्ट्रेशन वाले नागरिक सिर्फ 27 अप्रैल, 2026 तक ही रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

सरकार ने साफ़ किया है कि उस तारीख के बाद किसी भी हालत में डेडलाइन नहीं बढ़ाई जाएगी।

साथ ही, जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रेशन (संशोधन) एक्ट, 2023 को 1 अक्टूबर, 2023 से पूरे देश में लागू कर दिया गया है।

अब, बर्थ सर्टिफिकेट का इस्तेमाल अलग-अलग सरकारी कामों के लिए एक ज़रूरी सोर्स डॉक्यूमेंट के तौर पर किया जाएगा।

मुस्लिम समुदाय ध्यान दें-बर्थ सर्टिफिकेट को नागरिकता का एक मज़बूत सबूत माना जाएगा।

बहुत से लोग गलती से मानते हैं कि स्कूल सर्टिफिकेट में जन्म की तारीख ही काफी है।

**यह गलती न करें।**

पहले नाम जुड़वाने की आखिरी तारीख 14 मई, 2020 थी, अब इसे बढ़ाकर 27 अप्रैल, 2026 कर दिया गया है।

बर्थ सर्टिफिकेट में नाम जुड़वाने के लिए, नागरिकों को बर्थ एंड डेथ रजिस्ट्रेशन ऑफिस में दो सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स जैसे स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट, एजुकेशनल सर्टिफिकेट (10वीं/12वीं क्लास), पासपोर्ट, पैन कार्ड, या आधार कार्ड के साथ अप्लाई करना होगा।

साथ ही, रजिस्ट्रेशन ऑफ़ बर्थ्स एंड डेथ्स एक्ट, 1969 के सेक्शन 10 और महाराष्ट्र रजिस्ट्रेशन ऑफ़ बर्थ्स एंड डेथ्स रूल्स,

2000 के अनुसार, कानूनी तरीकों से भी जन्म रजिस्टर कराया जा सकता है।

अगर आपके पास अपने परिवार के सदस्यों के जन्म या मृत्यु के रिकॉर्ड नहीं हैं, तो पक्का करें कि वे रजिस्टर्ड हों।

लगभग 75% सीनियर मुसलमानों के पास जन्म और शादी के रिकॉर्ड नहीं हैं।

बहुत से लोग सिर्फ हज की तैयारी के दौरान ही रजिस्टर कराने की कोशिश करते हैं।

अब, बिना किसी कानूनी प्रोसेस के तहसील ऑफिस से जन्म रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है।

बहुत से मुसलमानों को इस बारे में पता नहीं है या वे इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। सावधान रहें क्योंकि यह भविष्य में एक समस्या बन सकती है। स्कूल/कॉलेज में एडमिशन, नौकरी, विदेश यात्रा और दूसरी ज़रूरी ज़रूरतों के लिए बर्थ सर्टिफिकेट की ज़रूरत होती है। कई परिवार अभी रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं, लेकिन कुछ अभी नहीं करा रहे हैं। सरकार ने एक बार फिर मौका दिया है-उन लोगों के नाम जोड़ने का जिनका नाम 1969 से पहले या बाद में बिना नाम के रजिस्टर हुआ था। जनता की मांग पर राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने यह इंतज़ाम किया है, और सभी लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट बॉडीज़ को एक नोटिफिकेशन भेजा गया है। पहले, घर पर डिलीवरी ज़्यादा होने की वजह से बर्थ रजिस्ट्रेशन अक्सर

नहीं होता था या नज़रअंदाज़ कर दिया जाता था। शहरों में भी, जब हॉस्पिटल रजिस्टर करते हैं, तो कई परिवारों को लोकल अथॉरिटीज़ से सर्टिफिकेट नहीं मिलते। अब सरकार ने बिना नाम वाले बर्थ रिकॉर्ड (15 साल से पुराने) वाले नागरिकों को नाम जोड़ने का मौका दिया है। यह मौका सिर्फ 27 अप्रैल 2026 तक मिलेगा और इसे फिर से नहीं बढ़ाया जाएगा। कई बार, जन्म बिना नाम के रजिस्टर हो जाते हैं;

अगर आप बाद में बच्चे का नाम जोड़ना चाहते हैं, तो यह मुमकिन है।

15 साल पुराने बिना नाम वाले जन्म रिकॉर्ड में भी नाम जोड़ा जा सकता है।

क्या जन्म/मृत्यु सर्टिफिकेट का इस्तेमाल आधार कार्ड की तरह किया जा सकता है

अभी तक, आधार कार्ड को मुख्य पहचान डॉक्यूमेंट के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था,

लेकिन अब जन्म/मृत्यु सर्टिफिकेट का इस्तेमाल इंटरनेशनल लेवल पर मंज़ूर पहचान डॉक्यूमेंट के तौर पर भी किया जा सकता है।

सेंट्रल गवर्नमेंट के ऑर्डर के मुताबिक, यह अधिकार

डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट या

सब-डिवीज़नल ऑफिसर को दिया गया है।

## शिकरावा में यूनिवर्सिटी की मांग को लेकर उपायुक्त नूंह से मिला प्रतिनिधिमंडल, मांग पत्र भो सौंपा



**मुहम्मद मुबारक मेवाती**

**पलवल मेवात।** पिछले दिनों गांव शिकरावा में प्रस्तावित यूनिवर्सिटी की स्थापना की मांग को लेकर आज गांव के युवा सरपंच भाई मनीष अहमद के नेतृत्व तथा जिला प्रमुख जान मोहम्मद की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त नूंह से मुलाकात कर औपचारिक मांग पत्र सौंपा। इस प्रतिनिधिमंडल में 22सी के चौधरी सरपंच घुड़चढ़ी, असरु ब्लॉक चेयरमैन पिनगवां, मोहम्मद जैद सरपंच मोहम्मदपुर, अलालपुर सरपंच, रहीश सरपंच फिरोजपुर मेव, मनोज कुमार सरपंच पिनगवां, रती प्रधान, हकीमुद्दीन, मुहम्मद इलयास हाजी जहाज,

खुर्शीद डाकिया सहित शिकरावा एवं आसपास के अनेक गांवों के सरपंच व ग्रामवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी सरपंचों ने संयुक्त रूप से बयान देते हुए कहा कि मेवात क्षेत्र लंबे समय से उच्च शिक्षा की सुविधाओं से वंचित है। शिकरावा में यूनिवर्सिटी की स्थापना से न केवल नूंह जिला बल्कि पूरे मेवात के छात्रों को लाभ मिलेगा और क्षेत्र में शैक्षणिक, सामाजिक व आर्थिक विकास को गति मिलेगी। सरपंचों ने कहा कि क्षेत्र के हजारों युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के जिलों में जाना पड़ता है, जिससे समय और संसाधनों की भारी हानि होती है। जिला प्रमुख

जान मोहम्मद ने कहा कि मेवात की तरक्की के लिए यूनिवर्सिटी की स्थापना बेहद ज़रूरी है और उन्हें पूरा भरोसा है कि भाजपा सरकार मेवात को जल्द यूनिवर्सिटी की सौगात देगी। वहीं डीसी नूंह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि शिकरावा यूनिवर्सिटी से संबंधित मांग पत्र को राज्य सरकार के समक्ष गंभीरता से रखा जाएगा और आवश्यक कार्रवाई के लिए इसे उच्च अधिकारियों तक भेजा जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर सैंकड़ों लोग उपस्थित रहे।



## ह्यूमन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल मिला

**मिराज।** ह्यूमन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन मिराज तालुका की तरफ से पिछले दिनों सांगली और मिराज के सरकारी अस्पतालों में जीवन बचाने वाली दवाओं की कमी के बारे में मेडिकल डीन डॉ. प्रकाश गुरव को एक बयान दिया गया और उनसे दवाओं की कमी के बारे में सही सबूत देने की रिक्वेस्ट की गई। इस बात पर ध्यान देते हुए कि सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कमी के कारण प्राइवेट दुकानदार और एजेंट आराम कर रहे थे और गरीब लोगों पर बोझ पड़ रहा था, ह्यूमन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन ने तुरंत कदम उठाए और इस बारे में फॉलो-अप किया। इस बयान के बाद सरकारी मेडिकल डीन डॉ. प्रकाश गुरव सर ने भरोसा दिलाया कि हम इस बारे में पूरी दवाएं देंगे और किसी भी मरीज को दवाओं की कमी नहीं होगी। इससे गरीब मरीजों को फायदा होगा और इस काम की हर लेवल पर तारीफ हो रही है। यह बयान देते समय तालुका कोऑर्डिनेटर रमेश भोसले, बी. आर. पाटिल, सुमन वाघमारे, अफजल शेख, प्रमोद जाधव, सुभाष कदम, सुहास गवने खटल मेजर, सरफराज शेख आसिफ मनियार वगैरह मौजूद थे।

## मेव प्रतिभा

जैसा कि आप जानते हैं न्यू मेव टाइम्स बिरादरी की प्रतिभाओं से आप सभी को परिचित करता आ रहा है, फिर वह किसी भी क्षेत्र से हो, आज, शिक्षा कि बहुत ज़रूरत है, ताकि हमारे बच्चे इनसे प्रेरणा ले, खुद भी आगे बढ़ सके, इस कड़ी में जोधपुर निवासी जनाब लियाक़त मेव (retired दूर संचार विभाग) के परिवार में से उनके पोते मोहम्मद मुफीज़ से तरफूफ करा रहे हैं।

जनाब लियाक़त मेव के दो बेटे, जावेद मेव (एमसीए) और मोहसिन (बी कॉम), एवं एक लड़की सुल्ताना है, यह सभी शिक्षित एवं शादीसुदा हैं। जावेद मेव के दो लड़के मो. मुफीज़ मेव (B.tech) और मो. मुबिन् है. (11, वी), मोहसिन मेव (B.com) तक शिक्षित हैं इनके भी दो बच्चे अल्मास् खान (12वीं) और अलीफा खां न (6ठी) आपके बुजुर्गों का निकाल ग्राम लादकिया, जिला भरतपुर से होकर गोत्र दुलोत् है। मो. मुफीज़ का जन्म 13,12,2003, को हुआ था, आपने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सेंट्रल अकादमी जोधपुर से कर, B.Tech, MBM Engineering College, जोधपुर से कि है, M. Tech. करने पिछले दिनों जर्मनी के लिए रवाना हुए जहाँ दो साल पढ़ाई करेंगे। आपने अपने संदेश में मेव बच्चों के लिए कहा कि शिक्षा बिना जिंदगी अधूरी है, निरंतर प्रयास करते रहे, पढ़ेंगे तो आगे बढ़ेंगे और मेव समाज तरक्की करेगा।

## 3 मेव बेटियों ने स्कूल भवन,, और खेल मैदान के लिए निःशुल्क डेढ बीघा जमीन दान की

कामा, (डीग) मेवात के क्षेत्र को ज्यादातर गलत, साइबर अपराध के लिए जाना जाता है, लेकिन पिछले दिनों ग्राम लेवड़ा के मरहूम हाजी बगदु खा की तीन बेटियों, खेरुणा, रुक्सीना, और सहरून, ने अपने खसरा 313,(1452/0.8, 1456/0.10, 1455/0.21) सभी के 1/5, हिस्से में से डेढ बिगा जमीन स्कूल के कक्षों के निर्माण एवं खेल मैदान हेतु विद्यालय के कार्य वाहक हेड मास्टर सुरेश यादव, एस डी एम सी. सचिव नरेश यादव की मौजूदगी में पंजीयन कि प्रक्रिया पूरी कराई, विभाग द्वारा परिवार का अभिनंदन कर धन्यवाद प्रकट किया.इस अवसर पर उपपंजीयक रजनी यादव, पटवारी मीना जी, भामशाह परिवार के रज्जाक खा,

हाजी सुभां न, खुर्शीद खा सहित बड़ी सख्या में ग्रामीण मौजूद रहे.

सीए जनाब मुख्तार अहमद ने बताया कि गांव के एक जागरूक व नेकदिल परिवार ने सरकारी विद्यालय के लिए अपनी निजी भूमि दान कर एक मिसाल कायम की है।

यह कदम न सिर्फ शिक्षा के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव भी रखता है। ऐसे निस्वार्थ कार्य समाज को सही दिशा देते हैं। यह परिवार वास्तव में सम्मान और प्रशंसा का पात्र है। शिक्षा के क्षेत्र में यह योगदान लेवड़ा ही नहीं, पूरे कामां क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।



## मेवाती ट्रस्ट के साथियों का मेवात के लिए शैक्षणिक भ्रमण

पिछले दिनों मेव एजुकेशनल वेलफेयर अवेयरनेस ट्रस्ट (मेवाती ट्रस्ट) की टीम सदर हाजी शमसुद्दीन चिश्ती के नेतृत्व में मेवात (राजस्थान-हरियाणा) के शैक्षणिक भ्रमण पर गई थी, जिसमें अ. हफीज बनारसी, मो. शारीब खान (एडवोकेट), मो. अय्यूब खान (एबी स्टीचिंग) की टीम ने सर्वप्रथम इंदौर से रात्रि 11 बजे कार से रवाना होकर प्रातः 7 बजे जयपुर पहुंचे और रिटायर्ड जज जनाब शहाबुद्दीन जी के घर नाश्ता कर अभी तक किए गए कार्यों की जानकारी दी।

तत्पश्चात तैयार हो जयपुर भ्रमण किया। रात्रि होटल में रुके। सुबह नाश्ता कर अलवर के लिए रवाना हुए। वहां जनाब नूर मोहम्मद साहब की संस्था (एमिड) द्वारा स्थानीय प्रताप सभागृह में आयोजित बालिका शिक्षा सम्मेलन में सम्मिलित हुए यहां हाजी शमसुद्दीन चिश्ती को उनकी अभी तक की गई मेव समाज की सेवा के लिए सम्मानित किया जाकर शाल एवं मोमेंटो दिया गया। सभागृह में हजारों की संख्या में जनसमूह एकत्रित था। उपस्थित मेहमानों से परिचय कर इंदौर टीम के साथ सामूहिक फोटोग्राफ भी लिए गए। प्रोग्राम समाप्ति पर खाने की व्यवस्था नूर मोहम्मद भाई ने स्थानीय होटल में की। जहां वीआईपी के साथ सामूहिक चर्चा कर किए गए कार्यों की जानकारी दी। रात्रि विश्राम अलवर में कर

प्रातः नाश्ता करने के बाद राजा हसन खां मेवाती (पेनोरमा) देखा। तत्पश्चात नूर मोहम्मदजी के साथ ग्राम मूसाखेड़ा में नसीम फाउंडेशन के सहयोग एवं जनाब फकरे आलम चिश्ती के सहयोग से निर्मित हो रहे महाविद्यालय से अवगत कराया। जो कि क्षेत्रीय ग्रामों के छात्रों के लिए भविष्य में लाभदायक होगा।

मूसाखेड़ा ग्राम से निकलकर हमारी टीम नूर मोहम्मदजी के स्कूल जो कि घासोली गांव में था, जाकर उनकी गतिविधियों को देखा एवं परवाज पत्रिका सौंपी। वहीं नाश्ता कर आगे का सफर उनके दामाद और कामा विधानसभा के पिछले चुनावों में 65 हजार वोट लाने वाले निर्दलीय प्रत्याशी रहे सी.ए. मुख्तियार अहमद सा. के साथ अय्यूब भाई के मूलगांव सहसन जहां (चिरकलोत) की बाहुल्यता है, गए। जहां हमारा आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पहले मुख्तियार भाई के स्कूल का विजिट किया, जिसमें लगभग 400 बच्चे (डे-नाइट) क्लासों में अध्ययन करते मिले। सीए मुख्तियार ने पूरे केम्पस को नवोदय विद्यालय के पेटर्न में निर्मित किया है। होस्टल एवं खाने की सुविधा के साथ निर्धन बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है। क्षेत्र की अवाम की एक ही बात है कि आगामी विधानसभा में भाई सीए मुख्तियार ही विधायक होंगे। क्षेत्र में कई गांवों में पूछने पर नागरिकों का कहना है कि हमारे हर

सुख-दुख में सीए खड़े रहते हैं। दो दिनों तक सीए मुख्तियार साहब ने हमें क्षेत्र का भ्रमण कराया और हाजी शमशाद मेव के स्कूल का विजिट कराया। फिरोजपुर झिरका में भोजन कराकर रात्रि विश्राम कराया। एक साथी मुरसलीन के साथ हमें 84 खम्बा मस्जिद एवं पीर साहब की दरगाह तथा राणा सांगा एवं हसन खां मेवाती के स्मारक का अवलोकन कराया। फिर रात्रि विश्राम कर सुबह हमारी टीम रूपडाका शहीद मीनार पर शहीद दिवस के कार्यक्रम में बतौर मेहमान मौजूद रहे। कमेटी के सदर शेर मोहम्मद (एड.) एवं सचिव हारून चिरकलोत एवं कमेटी ने टीम का साफा बांध सम्मान किया। साथ ही सामूहिक फोटोग्राफ हुए। तत्पश्चात हारून भाई के निवास पर भोजन कर शाम होते-होते नूह में भाई सिद्दिक अहमद (इंजी.) के निवास पर पहुंचकर उन्हें साथ ले अब्दुल हफीज बनारसी के मूल गांव बनारसी गए। यहां सिद्दिक भाई ने सभी गांववालों को बताया कि म.प्र. से बनारसी गांव देखने आए। बनारसी गांव देखने के बाद फिर से नूह में सिद्दिक अहमद सा. के घर पहुंचकर शारीब खान (एड.) ने अपने यू ट्यूब चैनल के लिए उनका इंटरव्यू लिया। फिर वहीं खाना खाकर रात 9 बजे इंदौर के लिए उज्जैनी गांव होते हुए सुबह 8 बजे अपने घर पहुंचे। कुल मिलाकर मेवात का शैक्षणिक सफर कामयाब रहा।



# यह एक सोची-समझी और योजनाबद्ध प्रक्रिया है

यह एक सिस्टेमेटिक, सोची-समझी और योजनाबद्ध प्रक्रिया है—जिसमें पहले जनता की मूलभूत ज़रूरतों को संकट में डाला जाता है, फिर उसी संकट का निजी और मुनाफ़ाखोर समाधान बेचा जाता है। सत्ता तंत्र और कॉरपोरेट गठजोड़ का यह मॉडल अब भारत की सामाजिक, आर्थिक और नैतिक रीढ़ को तोड़ने पर आमादा है।

यह संयोग नहीं हैष्ठ यह साज़िश है।

पहले पानी छीना गया,

फिर आरओ बेचे गए।

पहले हवा ज़हरीली की गई,

फिर एयर प्यूरिफायर ज़रूरी बना दिए गए।

पहले पब्लिक हेल्थ सिस्टम को कमजोर कर

निजी हॉस्पिटल में इलाज को 'लक्ज़री' बना दिया गया।

यह विकास नहीं है।

यह सिस्टेमेटिक सत्ता और कॉर्पोरेट्स लूट का नया मॉडल है।

बड़े उद्योगों के लिए नियम बदले गए,

भूजल दोहन की खुली छूट दी गई।

**नतीजा**

100 फीट से पानी 700 फीट तक नीचे चला गया।

आज करीब 70% जनता टैंकर माफिया के भरोसे जी रही है।

और फिर कहा गया-

‘समाधान बाज़ार में है।’

पानी सरकार की ज़िम्मेदारी थी,

लेकिन आज यह हज़ारों करोड़ का कॉरपोरेट बिज़नेस बन चुका है।

महानगरों में हवा जानलेवा है।

बच्चे, बुजुर्ग, जवान-सब बीमार।

यह जनता के लिए हेल्थ इमरजेंसी है,

लेकिन सत्ता और कॉरपोरेट के लिए बिज़नेस ऑपच्युनिटी।

दिल्ली में लाखों एयर प्यूरिफायर बिके-

क्योंकि साफ़ हवा अब अधिकार नहीं, प्रोडक्ट है।

बीमारियाँ बढ़ीं तो सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को इतना कमजोर कर दिया गया

कि जनता मजबूरन निजी अस्पतालों में जाए-

जहाँ इलाज कम, बिल ज़्यादा होता है।

मरीज़ नहीं, ग्राहक समझा जाता है।

शिक्षा भी इसी रास्ते पर है।

सरकारी सिस्टम को जानबूझकर बदहाल किया गया,

ताकि जनता को महंगी प्राइवेट शिक्षा की शरण में जाना पड़े।

कृषि, बीज, दवा, खाना-

सब कुछ धीरे-धीरे कॉरपोरेट के हाथ में।

यह सब खुलेआम नहीं हुआ।

यह नियमों में चुपके से बदलाव,

कानून और नीतियों के ज़रिये हुआ।

और सच्चाई यह है कि

अधिकतर बड़े कॉरपोरेट

उन्हीं नेताओं या उनके परिजनों के हैं

जो ये नीतियाँ बनाते हैं।

आज आपकी साँस,

आपका पानी,

आपकी सेहत,

आपकी शिक्षा

सब पर कीमत लगी हुई है।

यह नया वर्ल्ड ऑर्डर है

जहाँ नागरिक नहीं, उपभोक्ता हैं हम।

सवाल यह नहीं कि हम एयर प्यूरिफायर क्यों खरीद रहे हैं,

सवाल यह है कि हम साफ़ हवा माँगना क्यों भूल गए?

अगर आज भी चुप रहे,

तो कल ज़िंदगी जीने के लिए भी

सब्सक्रिप्शन लेना पड़ेगा।

## इंतकाल

**पिपलदा (घाट नीचे)।** पिछले दिनों मेव बिरादरी के जनाब रमजान खा मेव (जिला परिषद उपाध्यक्ष), के वाली द जनाब गफुर खा जी का इंतकाल हो गया था जिसकी चालीस वे कि फातेहा 29.12.25, को रखी गई जिसमे हजारो कि तादाद मे बिरादरी और मिलने वालों ने शिरकत कर अल्लाह से दुवा कि. इस मौके पर मेवात से जनाब सिद्दीक अहमद (इतिहासकार), के साथ, मेवात विकास सभा के फकरुद्दीन, उमर पादला, मास्टर साहू, युसुफ (adv), अमजद सरपंच, इनामुल् हसन, दिनु आदि ने शिरकत की.

**उज्जैन।** मेव बिरादरी के जनाब अब्दुल अजीज, अब्दुल रशीद, अब्दुल वहीद, के वालिद एवं गुड्डू भाई (मैकेनिक) के ससुर और मुस्तूफा (टेलर) के बहनोई हाजी हमीद खा का इंतकाल हो गया, आपके नामजे जनाजा जनशा पुरा मस्जिद मे अदा कि जाकर सुपुरदे खाक, ईदगह कब्रिस्तान मे किया.

**ताजपुर।** मेव बिरादरी के जनाब गफ्फर भाई अमजद भाई, वसीम मेव के वालिद ताजपुर का इंतकाल हो गया, नमाज जनाजा जामा मस्जिद मे अदा कर, स्थानीय कब्रिस्तान मे दफन किया.

**नाथगाव।** मेव बिरादरी के अ. हमीद के भतीजे, मरहम सिद्दीक भाई के बेटे, अ. मुईद का इंतकाल हो गया जिसकी नमाज जनाजा अदा कि जाकर स्थानीय कब्रिस्तान मे सुपुरदे खाक किया गया.

**बामानी खुद।** मेव बिरादरी के जनाब मेहबूब खा, रहिस् खा, पटेल, शाहिद मास्टर के भाई हबीब (पप्पा) पटेल का इंतकाल हो गया, जिन्हे स्थानीय कब्रिस्तान मे दफन किया गया.

**नलखेडा।** मेव बिरादरी के जनाब अ. सईद ठेकेदार के लड़के, और सिद्दीक भाई, हाफिज भाई, हनीफ भाई, हाजी हमीद, हाजी आशिक के भाई फरीद भाई का पिछले दिनों इंतकाल हो गया, जिन्हे स्थानीय कब्रिस्तान मे सुपुरदे खा क किया गया.

**आगरा।** मेव बिरादरी के जनाब रशीद मेव(प्रधान) मेवाती नगला वालों का इंतकाल हो गया जिन्हे स्थानीय कब्रिस्तान मे सुपुरदे खाक किया गया.

**नागदा।** मेव बिरादरी के हाजी रशीद मेव, लियाक़त मेव, अनवर मेव, फारूक मेव की वलीदा और साहिल मेव की दादी हज्जनि बशीरन् बी का इंतकाल हो गया, नमाज जनाजा पुराने कब्रिस्तान मे अदा कर सुपुरदे खाक किया गया.

**रायपुरा (कन्नौद)।** हाजी अहमद खा की भाभी, अब्बास मोलाना कि वालिदा हलीमन बी का पिछले दिनों इंतकाल हो गया, जिन्हे स्थानीय कब्रिस्तान मे सुपुरदे खाक किया गया.

**आमला (कन्नौद)।** मेव बिरादरी के जनाब गब्बु खा मे व के वाली द बाबू खा का पिछले दिनों इंतकाल हो गया, जिन्हे आमला लाल पठार कब्रिस्तान मे सुपुरदे खाक किया गया.

**न्यू मेव टाईम परिवार अल्लाह से इन सभी की मगफिरत के लिए दुवा करता है.**

## बुजुर्गों को मार ही डालो....

सरकार को 65 साल से ज़्यादा उम्र के सभी बुजुर्गों को मार देना चाहिए क्योंकि सरकार इन राष्ट्र निर्माताओं पर ध्यान देने को तैयार नहीं है...

क्या भारत में बुजुर्ग होना अपराध है...

भारत में 70 साल के बाद बुजुर्ग मेडिकल इंश्योरेंस के लिए योग्य नहीं हैं..

उन्हें EMI पर लोन नहीं मिलता..

ड्राइविंग लाइसेंस नहीं दिया जाता..

उन्हें कोई काम नहीं दिया जाता..

इसलिए वे जीने के लिए दूसरों पर निर्भर रहते हैं। उन्होंने रिटायरमेंट की उम्र यानी 60-65 साल तक सभी टैक्स, इंश्योरेंस प्रीमियम भरे थे। अब बुजुर्ग होने के बाद भी उन्हें सभी टैक्स देने पड़ते हैं। भारत में बुजुर्गों के लिए कोई योजना नहीं है। रेल/हवाई यात्रा पर 50% छूट भी बंद कर दी गई है।

तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि राजनीति में बुजुर्गों को विधायकों, सांसदों या मंत्रियों को मिलने वाले सभी फायदे दिए जाते हैं और उन्हें पेंशन भी मिलती है। मुझे समझ नहीं आता कि बाकी सभी (कुछ सरकारी कर्मचारियों को छोड़कर) को यही सुविधाएं क्यों नहीं दी जाती।

सोचिए, अगर उनका ख्याल नहीं रखा गया तो बच्चे कहाँ जाएँगे। अगर देश के बुजुर्ग चुनाव में सरकार के खिलाफ जाते हैं, तो इससे चुनाव नतीजों पर असर पड़ेगा। सरकार को इसके नतीजे भुगतने पड़ेंगे।

बुजुर्गों को सरकार बदलने का अधिकार है, उन्हें नज़रअंदाज़ न करें। उन्हें सरकार बदलने का ज़िंदगी भर का अनुभव है। उन्हें कमज़ोर न समझें! बुजुर्गों के फायदे के लिए कई योजनाओं की ज़रूरत है। सरकार कल्याणकारी योजनाओं पर बहुत पैसा खर्च करती है, लेकिन कभी भी बुजुर्गों पर ध्यान नहीं देती। इसके विपरीत, बैंकों की ब्याज दरों में कमी के

कारण बुजुर्गों की आय कम हो रही है। अगर उनमें से कुछ को अपने परिवार और खुद का पेट पालने के लिए थोड़ी-बहुत पेंशन मिल रही है, तो वह भी इनकम टैक्स के दायरे में आती है।

इसलिए, बुजुर्गों को कुछ फायदे दिए जाने चाहिए..???

(1). 60 साल से ज़्यादा उम्र के सभी नागरिकों को पेंशन दी जानी चाहिए..

(2). सभी को उनके दर्जे के अनुसार पेंशन दी जानी चाहिए..

(3). ट्रेन, बस और हवाई यात्रा में छूट...

(4). आखिरी सांस तक सभी के लिए इंश्योरेंस अनिवार्य होना चाहिए और प्रीमियम सरकार द्वारा दिया जाना चाहिए..

(5). बुजुर्ग नागरिकों के कोर्ट केस को जल्दी निपटाने के लिए प्राथमिकता दी जानी चाहिए...

(6). हर शहर में सीनियर सिटीजन के लिए सभी सुविधाओं वाले घर..

(7). सरकार को 10-15 साल पुरानी इस्तेमाल की गई कारों को स्कैप करने के नियमों में बदलाव करना चाहिए। यह नियम सिर्फ़ कमर्शियल गाड़ियों पर लागू होना चाहिए। हमारी कारें क्रेडिट पर खरीदी जाती हैं और हम 10 साल में सिर्फ़ 40 से 50 हज़ार किलोमीटर ही चलाते हैं। हमारी कारें नई कारों जितनी ही अच्छी हैं। अगर हमारी कारों को स्कैप किया जाता है, तो हमें नई कारें दी जानी चाहिए।

मैं सभी सीनियर सिटीजन और युवाओं से अनुरोध करती हूँ कि वे इसे सोशल मीडिया पर अवश्य शेयर करें।

उम्मीद करें कि यह सरकार, जो हमेशा ईमानदार है और 'सबका साथ, सबका विकास' की बात करती है, उन लोगों की भलाई के लिए कुछ करेगी जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है और अब अपनी उम्र के सबसे अच्छे पड़ाव को पार कर चुके हैं।



**खेड़ी गुमानी (जुरहरा)।** जमशेद भाई के नौजवान बेटे के इंतकाल की खबर इतिहाई अफ़सोसनाक है। यह परिवार के लिए बहुत बड़ा सदमा है। अल्लाह तआला मरहूम को अपनी रहमत में जगह अता फ़रमाए इस मौके पर सीए मुख्तियार अहमद ने अपने साथियों के साथ मौजूद हो गमगीन परिवार को हिम्मत दी।



## मेवात के गौरवशाली इतिहास ने देश को किया है गौरवान्वित : अशोक गर्ग

### तावड़ में मेवात विकास सभा द्वारा धूमधाम से मनाया गया मेवात दिवस समारोह

नूंह। नूंह जिले के तावड़ कस्बे में पिछले दिनों मेवात विकास सभा के तत्वावधान में मेवात दिवस समारोह भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने मेवात के गौरवशाली इतिहास, देशभक्ति और सामाजिक एकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का आयोजन पुष्पा ऑडिटोरियम, हरद्वारी लाल गोयल राजकीय महाविद्यालय, तावड़ में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अशोक गर्ग ने की। मुख्य अतिथि जिला प्रमुख जान मोहम्मद रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह और पंचायत विभाग के जॉइन्ट डायरेक्टर ऋषि डांगी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में मेवात विकास सभा के अध्यक्ष फकरुद्दीन चेयरमैन ने सभी अतिथियों व आगंतुकों का स्वागत किया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अशोक गर्ग ने कहा कि मेवात का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। उन्होंने कहा कि विभाजन के कठिन दौर में मेवात के लोगों ने देश को सर्वोपरि रखा और भारत को नहीं छोड़ा। यही कारण है कि मेवात की धरती देशभक्ति, साहस और त्याग की मिसाल है। उन्होंने कहा कि मेवात से उनका विशेष भावनात्मक लगाव है और यहां आकर उन्हें गर्व की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा मेवात



का इतिहास सामाजिक सौहार्द का रहा है। जब बाबरी मस्जिद का प्रकरण हुआ तो यहां अन्य क्षेत्रों के मुकाबले शान्ति बनी रही। यहां का भाईचारा देश के लिए मिसाल है। उन्होंने बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण पर फोकस करते हुए कहा महिलाओं की भागीदारी सभी क्षेत्रों में सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने कहा उन्हें एक बात मेवात की बहुत अच्छी लगती है कि यहां छुआछूत नहीं है। जबकि अन्य इलाकों में यह स्थिति अभी भी है।

#### क्यों मनाया जाता है मेवात दिवस

वक्ताओं ने बताया कि वर्ष 1947 के विभाजन के समय जब हरियाणा और राजस्थान के मुस्लिम बड़ी संख्या में पाकिस्तान की ओर पलायन कर रहे थे, उस दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी 19 दिसंबर 1947 को घासेड़ा (गांधी ग्राम) पहुंचे। गांधी जी ने मेवातियों से भारत में ही रहने की मार्मिक अपील की और उन्हें देश की रीढ़ की हड्डी बताते हुए बहादुर कौम का खिताब दिया।

गांधी जी के आह्वान पर लाखों मेवाती पाकिस्तान जाने से रुक गए। इसी ऐतिहासिक घटना की स्मृति में प्रतिवर्ष मेवात विकास सभा द्वारा मेवात दिवस मनाया जाता है।

मेवात विकास सभा के अध्यक्ष फकरुद्दीन ने कहा कि मेवात दिवस मेवात के लोगों की एकता, देशभक्ति और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह दिवस न केवल हमें अपने गौरवशाली इतिहास की याद दिलाता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को देश और समाज के लिए कार्य करने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने कहा कि मेवात की संस्कृति और परंपराएं हमारी पहचान हैं, जिन्हें सहेजकर आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष उमर पाड़ला ने कहा मेवात का देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, लेकिन बावजूद इसके यह क्षेत्र आज भी पिछड़ा हुआ है। उन्होंने मंच से जिले में केंद्रीय विद्यालय और फोरलेन सड़क बनवाने तथा



बूचड़खानों को बंद करवाने की मांग रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि मेवात को विकास के नाम पर बूचड़खाने मिल रहे हैं। उन्होंने सामाजिक बुराईयों को लेकर एकजुटता दिखाने और इनकी रोकथाम को लेकर प्रभावी कदम उठाने की बात कही।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला प्रमुख जान मोहम्मद, विशिष्ट अतिथि सुरेन्द्र सिंह, स्पेशल गेस्ट ऋषि डांगी सहित अन्य वक्ताओं ने भी मेवात के इतिहास, संस्कृति और सामाजिक विकास पर अपने विचार रखे।

#### पुस्तक विमोचन व सम्मान समारोह

मेवात दिवस समारोह के दौरान बेंटी हूं बोझ नहीं पुस्तक का विमोचन किया गया। पुस्तक में बेटियों के अधिकार, शिक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण पर विस्तृत जानकारी दी गई है।

इसके अलावा समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हरद्वारी लाल कॉलेज के संस्थापक स्वर्गीय हरद्वारी

लाल के पोते बिन्नी गोयल को मेवात रत्न सम्मान से नवाजा गया। मेवात विकास सभा के पदाधिकारियों ने उन्हें प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त न्यायिक परीक्षा पास कर जज बनी सुनारी गांव की रुकसाना को मेवात गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मेवात विकास सभा के संरक्षक सदीक अहमद मेव, पूर्व अध्यक्ष उमर पाड़ला, अख्तर हुसैन चंदेनी, वरिष्ठ अधिवक्ता रमजान चौधरी, दीन मोहम्मद मामलिका, महासचिव सब्बीर अहमद, नगर पालिका तावड़ की चेयरपर्सन सुनीता सोनी, मंडी एसोसिएशन के प्रधान संजय गोयल, दानियाल खान, मौलाना शेर मोहम्मद अमीनी, एडवोकेट ताहिर हुसैन देवला, एडवोकेट सलामूदीन, एडवोकेट समय सिंह सलंबा, नवीन लाठर, शमीम धुलावट, अब्दुल सत्तार सुनारी सहित विभिन्न वर्गों के अध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

## मक्का और मदीना के मुकद्दस उमराह के सफर पर खाना हुआ 101 उमराह यात्रा

निम्बाहेड़ा/अशरफ मेव। मुस्लिम समाज के सबसे पाक और मुकद्दस धार्मिक स्थलों में शुमार सऊदी अरब स्थित मक्का और मदीना की 20 दिवसीय उमराह यात्रा पर खाना होने से पूर्व 101 उमराह यात्रियों का प्रशिक्षण शिविर एवं इस्तकबालिया कार्यक्रम का आयोजन सैय्यद टूर्स एण्ड ट्रावल्स के तत्वावधान में नगर के सरकारी बाग स्थित हजरत केली वाले बाबा साहब (र.अ.) की दरगाह परिसर में किया गया।

इस अवसर पर पुरानी ईदगाह मस्जिद के इमाम मौलाना मोहम्मद यूसुफ निजामी ने मुकद्दस उमराह के सफर पर जाने वाले यात्रियों को एहराम बांधने का तरीका, काबा शरीफ का तवाफ, अरब कंट्री के कानून सहित उमराह यात्रा से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारी दी।

अंजुमन-ए-इस्लाम कमेटी के सदर



शोएब खान द्वारा सभी 101 उमराह यात्रियों का गुलपोशी कर इस्तकबाल किया गया। इस्तकबालिया कार्यक्रम के दौरान सैय्यद टूर्स के संचालक अमजद अली द्वारा आगामी ईद उल फितर के बाद जाने वाले उमराह टूर में

पुरानी ईदगाह मस्जिद के इमाम मौलाना मोहम्मद यूसुफ निजामी को सैय्यद ट्यूर्स की जानिब से निःशुल्क उमराह भेजने की घोषणा की गई। इसी क्रम में अंजुमन कमेटी सदर शोएब खान ने भी आगामी ईद उल फितर के बाद जाने वाले उमराह टूर में निम्बाहेड़ा शहर काजी आबिद हुसैन को अपनी और से निःशुल्क उमराह यात्रा पर भेजने की घोषणा की।

कार्यक्रम का संचालन असरा वेलफेयर सोसाइटी के मोहम्मद सिद्दिक नूरी ने किया। कार्यक्रम के अंत में

अंजुमन सदर खान एवं शहर काजी हुसैन ने संयुक्त रूप से उमराह यात्रियों की बसों को हरी झंडी दिखाकर खाना किया।

जर्निबाहेड़ा शहर से सऊदी अरब के मक्का और मदीना के मुकद्दस सफर पर जा रहे 101 यात्रीनों को खाना करने और उनका इस्तकबाल करने के लिए हजारों की संख्या में शहर के मुस्लिम समाजजनों का हुजूम उमड़ा।

इस मौके पर अंजुमन नायब सदर हाजी खवाजा हुसैन, हज खिदमत कमेटी के सदर मतलुब अजमेरी, हाजी अख्तर पटेल, हाजी भूरू जागीरदार, मोहम्मद उमर, सैय्यद फैजान अली, हाजी अब्दुल्ला खान, पत्रकार शकील अहमद, अशरफ मेव, मोईन खान सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम समाजजन मौजूद रहे।

### श्रीमती साफिया जुबेर को मुबारकबाद



रामगढ़ की पूर्व विधायक श्रीमती साफिया जुबेर जी को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की महासचिव बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

### नमाज कायम करो जकात देते रहो